

21.04.2025 पत्रावली पत्रे हुयी आधिक्यता जायी अपुलगत।

आधिक्यता जायी द्वारा अजायगी के नीहित तलबाना अथ रजिस्टर्ड एकी मी दिल्लीवदी (200) रिपोर्ट पत्रे की जिने शामिल से अिशास सिने जे। एक- एक कर तीन बार व्यावाजे लागवठे जाय, ठावतू इलके कोर अपुलगत नही अतः अजायी संख्या - 1 जगतत इ के विरुद्ध

एकपक्षीय कार्यवाही अमल में जाईनाती है। आधिक्यता जायी की एकपक्षीय बटल बुनी जाई। आधिक्यता जायी ने अजायी बटल में निवेदन दिया कि जायी एवं अजायी संख्या - 1, 2 के सेपुस्त खातेसदीसुदा व

कुलना काशतपुडा की खातेसदी आरणी अथ कोसा रेकारिषों की बानी के तीन अथ संख्या - 134 रकवा 2.01 हेमेटा खल संख्या - 135 रकवा 0.64 हेमेटा खल संख्या - 171/1942 रकवा 0.18 हेमेटा

जिने जायी का 13767/41300 रुक रिक्ता आया हुआ है। वास्तुत आरणी का जायी एवं अजायी ह - 1 व 2 के

मौजे पर कुलने काशत एवं रिक्ते अनुकाल आपनी सहमति के बेवाकू कापी समय पूर्व उर डिप जाय घा. हुल अनुकाल जायी में कुलने काशत के

व रिक्ते मी हुपि ज काकिम काशत है जायी खतीनाडी का रहा है तथ

जायी के नाम के जिदावती लेरी चली आ रही है। मौजे पर जायी एवं अजायी ह - 1, 2 ने मौजे पर कुलने काशत



सहायकी लेक्टर, सांघोरी
पिकारी, सांघोरी

